विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद
झारखण्ड ।

सत्र- 2020-23 से प्रभावी पाठ्यक्रम

स्नातक सँस्कृत जेनरल कोर्स

रुचि आधारित साख पद्धति
Choice Based Credit System
(CBCS)

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, झारखण्ड

बी॰ए॰ संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) प्रथमसत्र

Credit-5+1

सत्र 2020-23से प्रभावी

पूर्णांक-100

SAN-Gi-C-101

पूर्णांक-80 खण्ड-क अवधि-3 घंटे

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास

इसमें कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्नसंख्या-01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे 1

पाठ्यक्रम :- Credit-5 :-

1. शब्दरूप :- पाठ्यशब्दरूप - देव, कवि, भानु, पितृ, लता, माला, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद्।
2. धातुरूप :- लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, एवं लृट् लकार में।
   पाठ्यधातुरूप :- पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दृ, दिव्, रुध्।
3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
5. संस्कृतशास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद (पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती व्याकरण)

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएँगे। 4×5

तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप अपेक्षित होंगे। दस धातुएँ पूछी जाएँगी। 4×5

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit-1.

चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए दो-दो अनुच्छेद पूछे जाएँगे।

10×2

पाँचवे से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें?
   उमाकान्त मिश्र, भारती भवन, पटना
2. बृहद् अनुवाद चंद्रिका - चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली 1
3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15 + 05 = 20 अंक

Credit-1

बी॰ए॰ संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) द्वितीय समसत्र

Credit-5+1 पूर्णांक-100

SAN-G-C-201

पूर्णांक-80 खण्ड-क : ज्योतिष एवं आयुर्वेद अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे- जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्नसंख्या 01 अनिवार्य होगा-। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5 पाठ्यक्रम :-

1. शीघ्रबोध - प्रथमप्रकरण - 40
2. द्रव्यगुण विज्ञान - द्वितीयभाग का प्रथम अध्याय - 40

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे-। 2×10

द्वितीय प्रश्न में शीघ्रबोध के अपर्युक्त प्रकरण से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा-। कुल आठ श्लोक पूछे जाएँगे। 5×4

तृतीय प्रश्न में द्रव्यगुण-विज्ञान से चार ओषधियों के परिचय सहित गुण-दोष और उपयोग का वर्णन अपेक्षित होगा। कुल आठ ओषधियाँ पूछी जाएँगी। 5×4

चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों के पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे-। 4×5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में अपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे-।

अनुशंसित पुस्तकें :- शीघ्रबोध : ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक सेलर, वाराणसी
द्रव्यगुण-विज्ञान : आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

खण्ड-ख

Credit-01. आन्तरिक मूल्यांकन- 15+05 = 20 अंक

बी॰ए॰ संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) तृतीय समसत्र

Credit 5+1 पूर्णांक: 100

SAN-G-C-301

खण्ड-क : संस्कृत साहित्य का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या-1 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम :- 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास 80

रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्यकाव्य

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं। कुल छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5×4

तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो-दो कुल चार चरित्र चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10×2

चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्यकाव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। 10×2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें :-

संस्कृत साहित्य का इतिहास : आचार्य (डॉ॰) बलदेव उपाध्याय

खण्ड-ख

Credit-1

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक Credit-1

बी०ए० संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) चतुर्थ समसत्र

Credit-5+1 पूर्णांक - 100

SAN-G-C- 401

पूर्णांक - 80 खण्ड-क :- गद्य एवं दर्शन अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायँगे जिनमें 5 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5 पाठ्यक्रम :-

1. शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) - 40
(पं० अम्बिकादत्त व्यास)

2 जैन दर्शन-20, 3. बौद्धदर्शन -20

प्रश्न-चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय से एक अंश की संस्कृत व्याख्या तथा एक अंश का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार अंश पूछे जायँगे। 10×2

तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जायँगी। 5×4

चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधृत दो लघूत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे। चार प्रश्न पूछे जायँगे। 10×2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता, तथा जैनदर्शन एवं बौद्धदर्शन पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायँगे।

खण्ड-ख

आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक

Credit- 1

बी॰ए॰ संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) पंचम समसत्र

Credit 5+1

पूर्णांक-1

SAN-G-GE-501

पूर्णांक -80

खण्ड-क :- उपनिषद् एवं आख्यान

अवधि 3 घं

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

पाठ्यक्रम Credit 5 : (1) हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् 40

(2) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएँगे। 10×2

तृतीय प्रश्न में दो अंशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे। 10×2

चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों से दो टिप्पणी अपेक्षित है। चार टिप्पणियाँ प्रष्टव्य होंगे। 10×2

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधृत चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड-ख

Credit-01. आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20

बी॰ए॰ संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) पंचमसमसत्र

Credit-5+1

SAN-G-DSE-503

पूर्णांक-

खण्ड-क :- काव्य

पूर्णांक-80

Credit-5

अवधि-3 घं॰

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे । प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा । सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे ।

Credit-5, पाठ्यक्रम - (1) मेघदूत (पूर्वमेघ) - 40

(2) कुमारसंभव (पंचम सर्ग) - 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 10 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) पूछे जाएँगे । 2×10

द्वितीय प्रश्न में मेघदूत से एक तथा कुमारसंभवम् से 01 श्लोक की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी । चार श्लोक पूछे जाएँगे । 10×2

तृतीय प्रश्न में चार लघूत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे । कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे । 4×5

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों काव्यों से दो-दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा । कुल छः श्लोक पूछे जाएँगे । 4×5

पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधृत चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे ।

खण्ड-ख

Credit-1,

आंतरिक मूल्यांकन - 15+05=20 अंक

बी०ए० संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) षष्ठ समसत्र

पूर्णांक - 100

Credit - 5+1

SAN-G-GE-601

पूर्णांक - 80

खण्ड-क :- काव्यशास्त्र, छन्द एवं नाट्य   अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit :- 5   पाठ्यक्रम :-

1. काव्यदीपिका - अष्टम शिखा - 25 अंक

2. छन्दोमञ्जरी - 25 अंक

पाठ्यांश - अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, हरिणी, जगति।

3. प्रतिमानाटकम् - चतुर्थ अंक पर्यन्त - 30 अंक

प्रश्नचयन संबंधी निर्देशः -

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में काव्यदीपिका से चार अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित होंगे। कुल आठ अलंकार पूछे जाएँगे। 5×4

तृतीय प्रश्न में प्रतिमानाटकम् से किन्हीं चार पद्यों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। छः पद्य पूछे जाएँगे। 5×4

चतुर्थ प्रश्न में छन्दोमञ्जरी से चार छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित होंगे। आठ छन्द प्रष्टव्य होंगे। 5×4

पाँचवे से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड-ख

Cre

Credit-01.   आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05=20 अंक

बी० ए० संस्कृत (सामान्य एवं पासकोर्स) षष्ठ समसत्र

Credit-5+1 पूर्णांक-100

SAN-G-DSE-603

पूर्णांक-80 **खण्ड-क: श्रीमद्भगवद्गीता** अवधि 3 घंटे

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमे चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit-5 पाठ्यक्रम :- गीता- प्रथम एवं द्वितीय अध्याय 80

प्रश्नचयन संबंधी निर्देश :-

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। 2×10

द्वितीय प्रश्न में गीता के प्रथम अध्याय से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10×2

तृतीय प्रश्न में गीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10×2

चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10×2

पांचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधृत चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड-ख

Credit-1, आन्तरिक मूल्यांकन - 15+05 = 20 अंक